हिंदी विश्वविद्यालय में कैम्पस इंटरव्यू

भारतीय भाषाओं में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं है- संदीप नुलकर

वर्धा दि. 29 जुलाई 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में पुणे स्थित ब्यूरो ऑफ इंटरप्रिटेशन एवं ट्रांसलेशन सर्विसेज (बीआईटीएस) ने विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए कैम्पस इंटरव्यू का आयोजन किया। इस इंटरव्यू में विश्वविद्यालय के भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में एम. ए., एम.फिल. तथा पीएच.डी. में अध्ययनरत छात्रों ने हिस्सा लिया। इंटरव्यू के दौरान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार लिया गया।

छात्रों के लिए आयोजित इंटरव्यू से पहले ब्यूरो ऑफ इंटरप्रिटेशन एवं ट्रांसलेशन सर्विसेज, पुणे के अध्यक्ष व प्रबंध संचालक संदीप नुलकर एवं संचालक (ऑपरेशन्स) काजल आंबेडकर ने छात्रों को कंपनी के बारे में जानकारी दी। अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के सलाहकार प्रो. एस. कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. के. जी. खामरे मंचस्थ थे। अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ की विभागाध्यक्ष एवं असोसिएट प्रोफेसर डॉ. सी. अन्नपूर्णा कंपनी के संचालक संदीप नुलकर ने अनुवाद से संबंधित रोजगार की जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं में अनुवाद एक महत्वपूर्ण रोजगार का जरिया है और जो छात्र अनुवादक के रूप में अपना कैरियर करना चाहते है उनके लिए सुनहरा अवसर कंपनी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि कंपनी की भारत में चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बंगलौर के अलावा विदेश में फ्रांस एवं जर्मनी में भी शाखाएं है जिसके माध्यम से भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में अनुवाद का कार्य किया

जाता है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में अनुवाद का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी, गुजराती, बंगाली, उर्दू एवं मराठी आदि भाषाओं में अनुवादकों की काफी मांग है और अनुवाद एक इंडस्ट्री के रूप में विकसित हो रही है।

कंपनी की संचालक (ऑपरेशन्स) काजल आंबेडकर ने कहा कि अनुवादकों को चाहिए कि वे अनुवाद करते समय दो भाषाओं का समान रूप से ज्ञान रखें। इससे अनुवाद करने में आसानी तो होती ही है, भावार्थ भी बना रहता है। उन्होंने बताया कि टार्गेट और सोर्स भाषा-शैली की अच्छी जानकारी से सरलता से अनुवाद किया जा सकता है तथा डोमेन नॉलेज का ज्ञान होना एक अच्छे अनुवादक की पहचान होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. एस. कुमार ने कहा कि छात्रों को रोजगार दिलाने के लिए कॅम्पस इंटरव्यू एक महत्वपूर्ण प्रयास है और यह विभिन्न कंपनीयों के साथ जारी रहेगा ताकि विभिन्न अनुशासनों में अध्ययनरत छात्रों को त्वरित रोजगार उपलब्ध हो सके। लिखित परीक्षा के बाद संदीप नुलकर व काजल आंबेडकर ने छात्रों का साक्षात्कार लिया। प्रारंभ में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ की विभागाध्यक्ष एवं असोसिएट प्रोफेसर डॉ. अन्नपूर्णा ने अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ की मूल संकल्पना को रेखांकित करते हुए परिचय दिया। उन्होंने अनुवाद प्रौद्योगिकी के संदर्भ में विभाग की गतिविधियों का लेखाजोखा प्रस्तुत कर विभाग के मूल उद्देश्य, लक्ष्य एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया। मंचस्थ अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर आर. पी. यादव ने किया।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी